BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2021

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART – II

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to question nos. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Explain the metaphysical categories of Vaiśeṣika system. *20*

OR

Examine the metaphysics and means of liberation in the philosophy of Advaita. *20*

2. Give a detailed account of Bhakti Movement and its importance. *20*

OR

Discuss the important aspects of the philosophy of Ambedkar. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Explain the main tenets of Tagore's philosophy. *10*

(b) Examine the major orders of Sufism. *10*

(c) Analyse the epistemology Viśiṣṭādvaita. *10*

(d) Explain the stages, forms and modifications of c̄itta according to yoga. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Describe the importance of anumana or inference in Nyaya epistemology. *5*

(b) What is the theory of causation in Saṁkhya philosophy ? *5*

(c) Give a brief account of Śaiva Siddhanta. *5*

(d) Explain the concept of liberation according to Viśiṣṭādvaita philosophy. *5*

(e) Describe the importance of Brahmo Samaj as a reform movement. *5*

(f) Briefly explain the important Hindu Ashrams. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Universal Religion of Swami Vivekananda *4*

(b) Right to Freedom *4*

(c) Ten Principles of Arya Samaj *4*

(d) Guru Movements *4*

(e) Vaisnavism *4*

(f) Pasupatas or Kapalikas *4*

(g) Extraordinary perception of Nyaya *4*

(h) Gunas of Prakriti according to Saṁkhya *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन भाग – II

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. वैशेषिका दर्शन के तत्त्वमीमांसीय पदार्थों की व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

अद्वैत वेदान्त दर्शन की तत्त्वमीमांसा एवं मुक्ति के साधनों का परीक्षण कीजिए । *20*

2. भक्ति आंदोलन एवं इसके महत्त्व का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए । *20*

अथवा

अम्बेडकर के दर्शनशास्त्र के महत्त्वपूर्ण पक्षों पर चर्चा कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) टैगोर के दर्शन की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) सूफीवाद के मुख्य सिलसिलों का परीक्षण कीजिए । *10*

(ग) विशिष्टाद्वैत की ज्ञानमीमांसा का विश्लेषण कीजिए । *10*

(घ) योग दर्शन के अनुसार चित्त की अवस्थाओं, रूपों और रूपान्तरणों की व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा के अनुसार अनुमान के महत्त्व का वर्णन कीजिए । *5*

(ख) सांख्य दर्शन का कारणता सिद्धांत क्या है ? *5*

(ग) शैव-सिद्धांत का संक्षिप्त विवरण दीजिए । *5*

(घ) विशिष्टाद्वैत दर्शन के अनुसार मोक्ष के प्रत्यय की व्याख्या कीजिए । *5*

(ङ) ब्रह्म समाज के महत्त्व का वर्णन एक सुधार आन्दोलन के रूप में कीजिए । *5*

(च) मुख्य हिन्दू आश्रमों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्वामी विवेकानन्द का सार्वभौमिक धर्म *4*

(ख) स्वतंत्रता का अधिकार *4*

(ग) आर्य समाज के दस सिद्धान्त *4*

(घ) गुरु आन्दोलन *4*

(ङ) वैष्णववाद *4*

(च) पशुपता अथवा कपालिका *4*

(छ) न्याय दर्शन में अलौकिक प्रत्यक्ष *4*

(ज) सांख्य के अनुसार प्रकृति के गुण *4*